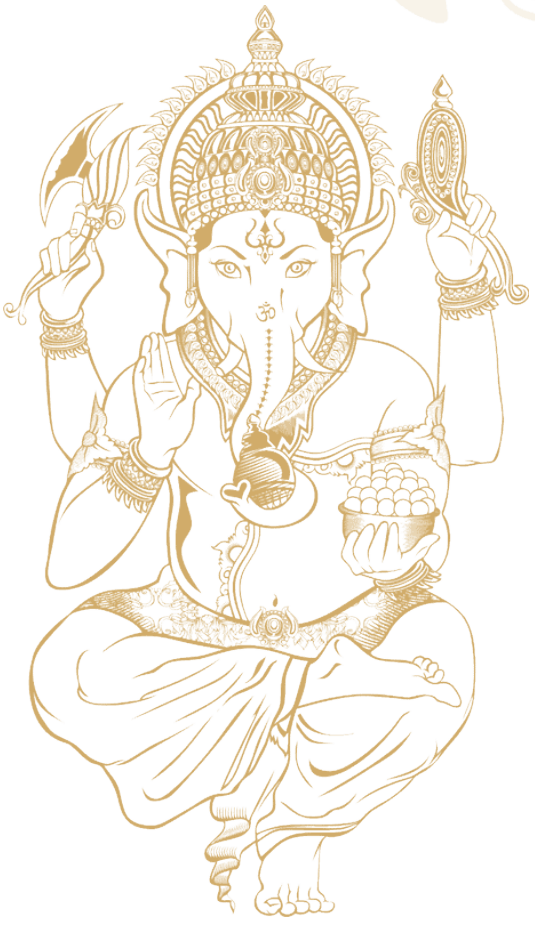

Prashant Kumar

Srishti Kumari

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121591504

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
19/08/1998	जन्म तिथि	4-05/03/2003
बुधवार	दिन	मंगल-बुधवार
घंटे 22:42:00	जन्म समय	06:00:00 घंटे
घटी 43:15:20	जन्म समय(घटी)	59:29:42 घटी
India	देश	India
Motihari	स्थान	Sitamarhi
26:40:00 उत्तर	अक्षांश	26:36:00 उत्तर
84:55:00 पूर्व	रेखांश	85:30:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:09:40	स्थानिक संस्कार	00:12:00 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:23:51	सूर्योदय	06:09:44
18:24:35	सूर्यास्त	17:50:19
23:50:09	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:50

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शनि 17वर्ष 1मा 22दि		28:59:26	मेष	लग्न	कुंभ	15:55:51	शनि 7वर्ष 1मा 16दि	
बुध		02:40:50	सिंह	सूर्य	कुंभ	20:07:05	बुध	
11/10/2015		04:38:08	कर्क	चंद्र	मीन	11:39:54	20/04/2010	
11/10/2032		05:27:48	कर्क	मंगल	धनु	06:11:17	20/04/2027	
बुध	09/03/2018	23:12:14	कर्क व	बुध	कुंभ	05:59:36	बुध	16/09/2012
केतु	06/03/2019	02:32:33	मीन व	गुरु व	कर्क	15:34:23	केतु	13/09/2013
शुक्र	04/01/2022	13:54:09	कर्क	शुक्र	मक	09:02:27	शुक्र	14/07/2016
सूर्य	11/11/2022	09:46:44	मेष व	शनि	वृष	28:20:45	सूर्य	20/05/2017
चन्द्र	11/04/2024	07:37:34	सिंह व	राहु व	वृष	08:51:01	चन्द्र	20/10/2018
मंगल	08/04/2025	07:37:34	कुंभ व	केतु व	वृश्चि	08:51:01	मंगल	17/10/2019
राहु	27/10/2027	16:17:13	मक व	हर्ष	कुंभ	05:46:35	राहु	05/05/2022
गुरु	31/01/2030	06:14:24	मक व	नेप	मक	17:58:12	गुरु	10/08/2024
शनि	11/10/2032	11:27:49	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	25:57:42	शनि	20/04/2027

लग्न-चलित

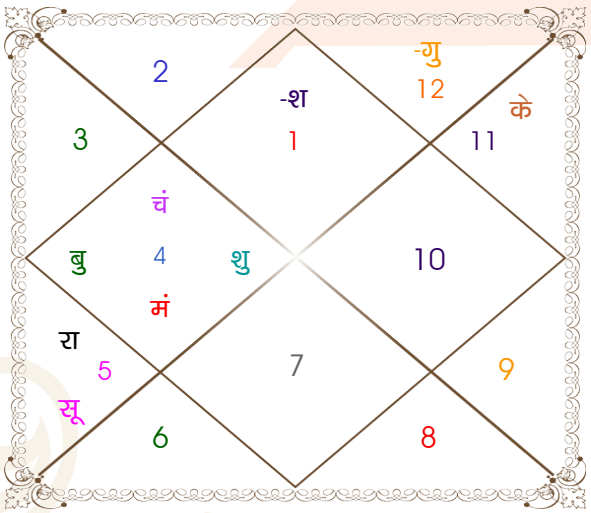

लग्न-चलित

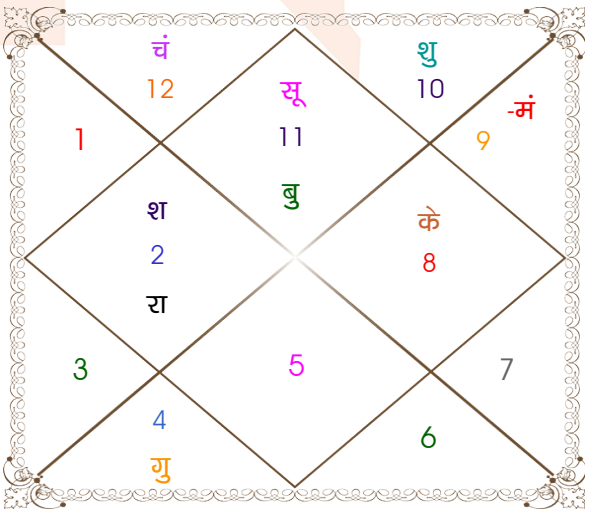

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	जलचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मेष	गौ	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	गुरु	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	मीन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Prashant Kumar का नक्षत्र पुष्य है।

Prashant Kumar का वर्ग मेष है तथा Srishti Kumari का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Prashant Kumar और Srishti Kumari का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Prashant Kumar मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है। क्योंकि मंगल Prashant Kumar कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Prashant Kumar कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।

न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Prashant Kumar कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Srishti Kumari मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Srishti Kumari कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Srishti Kumari कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Srishti Kumari कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Prashant Kumar तथा Srishti Kumari में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।